मुंबई पोर्ट ट्रस्ट

अपना पोर्ट

संपादक मंडल

श्री. राजेंद्र पैबीर,	सचिव
श्री. गिरिराज सिंह राठोड,	उप सचिव
श्रीमती प्राची देसाई,	सतर्कता अधिकारी
श्री. ला. रा. राम	हिंदी अधिकारी
संपादकिय सहाय्य :	श्री. नामदेव घोडके
अभिकल्प एवं ग्राफिक :	श्री. राजन लाड

भारतीय पत्तन रेल निगम लिमि. के मुंबई कार्यालय का उद्घाटन

केन्द्रीय पोत परिवहन, सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री माननीय श्री नितीन गडकरी के करकमलों भारतीय पत्तन रेल निगम लिमिटेड के मुंबई कार्यालय का उद्घाटन दिनांक 16.10.2015 को माझगांव स्थित निर्माण भवन में संपन्न हुआ. इस अवसर पर, अन्य लोगों के साथ, दक्षिण मुंबई से संसद सदस्य, श्री अरविन्द सावंत भी उपस्थित थे.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए, श्री गडकरीजी ने भारतीय पत्तन रेल निगम लिमिटेड की संकल्पना में, देश भर के नौभारों में तेजी, भीड़–भाड़ से मुक्ति तथा प्रदूषण रहित संचालन के लिए महा पत्तनों से रेल संपर्क–तंत्र में सुधार करना है. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के इस वर्ष के प्रथम छह महीनों के निष्पादन की सराहना करते हुए, विशेषकर ऑटोमोबाइल निर्यात में 29% की वृध्दि तथा पोर्ट से इस्पात पोतभार की 47% की बढ़त पर, मंत्री महोदय ने वित्तीय वर्ष 2014–15 में पोर्टों तथा पोत परिवहन मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा उत्पन्न लगभग रु.6,000/– करोड़ के लाभ को विभिन्न विकासशील गतिविधियों में प्रयोग किये जाने की जानकारी दी.

श्री गडकरी ने कहा कि इस क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में आयी तेजी से स्थानिक युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे. उन्होंने कहा कि मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने मांडवा तथा अलीबाग के यात्रियों को किफायती दरों पर तेज़ फेरी सेवाएँ प्रदान करने हेतु भाऊचा धक्का पर एक यात्री टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण की प्रक्रिया शुरु कर दी है. उन्होंने यह भी कहा कि यात्री टर्मिनल तक की सड़क यातायात की भीड़–भाड़ को कम करने के लिए पोर्ट ट्रस्ट ईस्टर्न फ्री–वे को भाऊचा धक्का से जोड़ने के लिए एक पुल के निर्माण का उत्तरदायित्व भी लेगा. श्री अरविन्द सावंत ने मुंबई क्षेत्र के विकास के लिए श्री नितीन गडकरी, केन्द्रीय पोत–परिवहन मंत्री द्वारा दृष्टिगोचर विकासशील परियोजना की सराहना की.

श्री रवि परमार, अध्यक्ष, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने, लोहा तथा इस्पात, ऑटोमोबाइल तथा पीओएल खंड में पोर्ट की नौभार सम्हलाई गतिविधियों में आयी तेजी के बारे में जानकारी दी तथा आशा व्यक्त की कि आगामी परियोजनाओं से शहर की भीड़–भाड़ बढ़ाये बिना पोर्ट के निष्पादन में आगे और सुधार होगा.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में सतर्कता जागरुकता सप्ताह – 2015 का आयोजन

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में 26 अक्तूबर से 31 अक्तूबर 2015 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया. इस संबंध में मुंपोट्र के अध्यक्ष श्री रवि परमार ने पोर्ट भवन में न्यासियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों को शपथ दिलायी. इसी प्रकार की शपथ विभिन्न विभागों में वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने कर्मचारियों को दिलायी.

श्री एस.एस.राणा, भा.रा.से., अति. सतर्कता महानिदेशक, पश्चिम, सीबीडीटी ने दि.27.10.2015 को मुख्य सतर्कता आयुक्त के **"सुशासन के एक साधन के रूप में सुरक्षात्मक सतर्कता"** इस केन्द्रीय विषय पर व्याख्यान दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंपोट्र के अध्यक्ष श्री. रवि परमार ने की. इस अवसर पर मुंपोट्र के उपाध्यक्ष श्री. यशोधन वनगे, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री.शिशिर श्रीवास्तव तथा बडी संख्या में अधिकारीगण उपस्थित थे.

सप्ताह के दौरान पोर्ट के कार्यों में पारदर्शिता और नियमित सुधारों पर उनके सुझाव मंगाने के लिए स्टेकहोल्डरों, ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं, किरायेदारों के साथ बैठकों/विचारों के पारस्परिक आदान–प्रदान सत्रों का आयोजन किया गया.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने भ्रष्टाचार तथा इसके दुष्प्रभावों पर नवयुवकों को संवेदनशील बनाने के लिए छह स्कूलों एवं कालेजों के विद्यार्थियों के लिए अलग–अलग वक्तृत्व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया. इस प्रतियोगिता में 1000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया. पुरस्कार विजेता विद्यार्थियों की सूची निम्न प्रकार है –

क्र.	विद्यार्थियों के नाम	स्कूल/कॉलेज के नाम
1.	कुमारी बाला कार्तिकेयन – प्रथम, कुमार विघ्नेश सिंगाड़िया –द्वितीय	वीरमाता जीजाबाई टेक्नॉलॉजिकल इंस्टीट्यूट, माटुंगा, मुंबई.
2.	कुमार रूपल कदम – प्रथम, कुमारी प्रगति पाटील – द्वितीय	श्रीमती मीनाताई खुरुड़े नाईट जूनियर कॉलेज, वड़ाला, मुंबई.
3.	कुमार नवज्योत कोकचा – प्रथम, कुमारी वंदना यादव – द्वितीय	एस.एच.जोंधळे कॉलेज ऑफ् आर्टस्, कॉमर्स एंड सायन्स, शहापुर.
4.	कुमारी अश्विनी भोईर – प्रथम, कुमारी सरिता कुरकुटे– द्वितीय	संत ज्ञानेश्वर हायर सेकंडरी स्कूल, शहापुर, जि. ठाणे
5.	कुमारी प्रतीक्षा शिंदे – प्रथम, कुमार प्रणव रावळ – द्वितीय	री वेरा इंस्टिटयूट ऑफ् टेक्नोलॉजी, खारघर, नवी मुंबई
6.	कुमारी कॉंची धर – प्रथम, कुमार अनिरुध्द जुत्सी – द्वितीय	सरस्वती कॉलेज ऑफ् इंजीनियरिंग, खारघर, नवी मुंबई

इसके अतिरिक्त मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने मुख्य सतर्कता आयोग के केन्द्रीय विषय पर अपने कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए संक्षिप्त लेख, व्यंग्यचित्र/पोस्टर प्रतियोगिता, चित्रकला एवं वक्तृत्व प्रतियोगिताओं तथा पथ–नाटिका जैसे अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया.

इन प्रतियोगिताओं में पुरस्कार योग्य पाये गए कर्मचारियों एवं उनके बच्चों की सूची निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	प्रतियोगिता एवं कर्मचारी/बच्चों के नाम	स्थान
1.	**सार लेखन प्रतियोगिता** (कर्मचारियों के लिए)	
	श्रीमती सुजाता दळवी, अवर सहायक, चिकित्सा विभाग	प्रथम
	श्री सुशीलकुमार शर्मा, वरिष्ठ उप सामग्री प्रबंधक, भंडार विभाग	द्वितीय
	श्री अनिल खाबिया, फार्मासिस्ट, चिकित्सा विभाग	तृतीय
2.	**सार लेखन प्रतियोगिता**(बच्चों के लिए)	
	कुमारी जया सरकानिया	प्रथम
	कुमार अनन्त खत्री	द्वितीय
	कुमार तनमय टी. गायकवाड़	द्वितीय
	कुमारी अश्विनी एम. बेनवाल	द्वितीय
	कुमार हार्दिक शेंड़ेकर	तृतीय
	कुमारी स्वाति उघड़े	तृतीय
	कुमारी तेजस्वी टी. गायकवाड़	तृतीय
3.	**पोस्टर व्यंग्य–चित्र प्रतियोगिता** (कर्मचारियों के लिए)	
	श्री प्रशांत व्ही. मिस्त्री	प्रथम
4.	**चित्रकला प्रतियोगिता** (बच्चों के लिए)	
	कुमारी तेजश्री टी. गायकवाड	प्रथम
	कुमारी जनवी वी. सागवेकर	द्वितीय
	कुमारी ऐश्वर्या ए. एम.	तृतीय
5.	**वक्तृत्व प्रतियोगिता** (कर्मचारियों के लिए,)	
	श्रीमती अनुराधा अंबिके,अवर सहायक,यातायात विभाग	प्रथम
	श्रीमती कस्तूरी तारळेकर, टं./सं.लिपिक यांत्रिकी अभियंता विभाग	द्वितीय
	श्रीमती दीपाली असनीकर, टं./सं.लिपिक विधि विभाग	तृतीय
	श्रीमती कल्पना देसाई, सहायक अधीक्षक, वित्त विभाग	प्रोत्साहन

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट चा कार्पोरेट सामाजिक जबाबदारी (CSR) निभावण्यात पुढाकार

राजेंद्र पैबीर
सचिव व नोडल अधिकारी सी.एस.आर.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने "दी लेप्रसी मिशन ट्रस्ट इंडियाला" भरीव निधी उपलब्ध करुन दिला.

दी लेप्रसी मिशन ट्रस्ट इंडिया ही एक आंतरराष्ट्रीय विकास संघटना असून ती कुष्ठरोगाने पीडित व्यक्तिंना रोग निदान, उपचार तसेच पुर्नरचनात्मक शस्त्रक्रिये सहित विशेष वैद्यकीय सहाय्य देऊ करते. कुष्ठरोग्यांच्या जीवनात बदल घडवून आणण्या बरोबरच त्यांना स्वतःच्या पायावर उभे राहण्यास मदत करणे हे त्यांचे ध्येय आहे.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने दी लेप्रसी मिशन ट्रस्ट इंडियाला एक लाख रुपये मंजूर केलेले आहेत ज्यांचा उपयोग कुष्ठरोगाने पीडित व्यक्तिंना संरक्षणात्मक शूज देण्यासाठी करण्यात येईल. या शूजच्या एका जोडीची किंमत तीनशे रुपये आहे. विशेष प्रकारे तयार केलेल्या संरक्षणात्मक शूज मुळे :–

1. हानी पोहोचलेल्या पायांचे संरक्षण होण्यास मदत होईल व त्यातील सुधारित आतील रचनेमुळे (Corrective insoles) लंगडणे कमी होईल.
2. भेगा पडलेल्या, चेतातंतूना इजा पोहचलेल्या नाजूक त्वचेवर दाब पडणार नाही.
3. जखमा, फोडी आणि जंतू संसर्ग होण्या पासून बचाव होईल.
4. शारिरीक हालचाली सुधारतील जेणे करुन कुष्ठरोगाने अपंग झालेल्या पुरुष, स्त्रियां आणि मुलांना चालणे, काम करणे व स्वतःची चांगली काळजी घेणे शक्य होईल.

––––––––

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने खेडयांतील शाळा सोडलेल्या अल्पसुविधा प्राप्त मुलांना हलाखीच्या परिस्थितीतून बाहेर काढण्यासाठी निधी उपलब्ध करुन दिला.

दी लाईट ऑफ लाईफ ट्रस्ट ही अल्पसुविधा प्राप्त लोकांकरिता मुख्यत्वे शिक्षण (प्रोजेक्ट आनंदो), आरोग्य सुविधा सेवा (प्रोजेक्ट आंगण), समुदाय विकास (प्रोजेक्ट जागृति) या क्षेत्रां मध्ये कार्यरत आहे.

सन 2005 मध्ये 25 विद्यार्थ्यांना घेऊन रायगड जिल्ह्यातील कर्जत तालुक्यात प्रोजेक्ट आनंदो चा प्रारंभ झाला. महाराष्ट्र राज्यातील पांच जिल्ह्यांत 426 गावां मध्ये पसरलेल्या या प्रोजेक्टने 9011 लाभार्थीं पर्यंत पोहचण्यात सफलता मिळविलेली आहे. आपल्या वैशिष्ट्यपूर्ण 3E उद्दिष्टांमधून उदा. एज्युकेशन, एम्पॉवर आणि इक्विप फॉर एम्प्लॉयमेंट या प्रकल्पाने माध्यमिक स्तरावरील ग्रामीण शालेय शिक्षणांत गळती झालेल्या/ गळती ची शक्यता असलेल्या अल्पसुविधा प्राप्त मुलांना सुविधा उपलब्ध करुन देऊन न केवळ त्यांना मूलभूत शिक्षण पूर्ण करण्या साठी मदत केली आहे तर एक स्वयंपूर्ण (एम्पॉवर्ड), माहिती प्राप्त (इन्फॉर्मड), आणि सुविद्य (एज्युकेटेड) नौजवान प्रौढ होऊन प्रगती करण्यास लायक बनवले आहे. या प्रकल्पाच्या सुविधे मुळे त्यातील लाभार्थींपैकी 91 टक्के व्यक्तिंनी एसएससी परीक्षा उत्तीर्ण केल्या नंतर उच्च शिक्षणाची कास धरली आहे. प्रोजेक्ट आनंदो द्वारे लाभार्थी विद्यार्थ्यांना त्यांच्या गरजेचे शिक्षण यशस्वीरित्या पूर्ण करण्यासाठी मूलभूत सामग्री, विज्ञान, गणित आणि इंग्रजी सारख्या कठीण विषयांसाठी विद्यार्थी अभिमुख पुरक शिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध करुन दिला गेलेला आहे व तसेच शिक्षण क्षेत्र, स्वजागरुकता आणि व्यक्तिमत्व विकास अशा विविध पैलूंचा समावेश असलेल्या वीकएंड वर्कशॉपच्या सहाय्याने सक्षम करण्यात येते.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने प्रोजेक्ट आनंदो अंतर्गत माणगांव मधील 100 ग्रामीण मुलांची निवड करुन त्यांना तीन वर्ष प्रत्येक विद्यार्थ्यांमागे दर वर्षी 8400 रुपये असे सहाय्य करुन त्या द्वारे प्रोजेक्ट आनंदो साठी दी लाईट ऑफ लाईफ ट्रस्ट ला एकूण 25,20,000/– रुपये सुपूर्द केले आहेत.

....

MUMBAI PORT TRUST AS MAJOR INTERNATIONAL BUNKERING DESTINATION

G.S. Rathod, Dy. Secretary

Bunkering in India was never looked upon as a serious business opportunity through which country could earn revenue or which could act as a source of profitability for the ports.

The priority of the National Oil Companies, which produce bunker fuel, has been the domestic demand. Also, traditionally the bunker fuel was priced higher in the country sending a message to the world that India is not a bunkering destination. Due to high price, infrastructural and regulatory constraints, it was also not considered a lucrative or profitable business venture by the private players and shipping agents.

However, with the experience gained from the pilot projects taken up at some Major Ports like Cochin and Mumbai the scenario is gradually changing. Today, one can seriously consider bunkering as a prospective business opportunity in the country and develop dedicated facilities at the ports to provide this service.

In terms of the infrastructure appropriate to develop bunkering, the need is to have enough tankage for storage. It is also important to have supply barges of adequate capacity to permit appropriate bunker size to promote efficiency. Availability of the large bunker barges will not only reduce the bunkering cost per tonne but will also increase the catchment area for bunkering. Today, in India, the largest bunker barge available is of 3000 tonnes. In Mumbai, the average bunker size is 200 tonnes to 300 tonnes per vessel. Whereas, in international bunkering ports like Fujairah, the size of the bunker barge varies from 2000 tonnes to 18000 tonnes and internationally the average bunker size is 500 – 600 tonnes. Besides the parcel size of bunker, the pumping rate of the barges is also equally important. Currently, the pumping rate of bunker from the barges in India is in the range of 50 to 60 tonnes per hour. This needs to be upgraded to save on ship's waiting time. In fact from this perspective, ports are the ideal location where pre-berthing waiting time of the ship in the anchorage can be effectively utilized for bunkering.

Currently, the annual bunker volume in India is estimated at 1.8 MMTPA, which is far less as compared to the bunkering hubs on the international routes. For instance, the bunker volume at Singapore is 43 MMTPA and at Fujairah 24 MMTPA. Statistics on the cargo volumes handled at ports shows that traffic handled at the Sea Ports in the country

has seen a constant rise in the last few years. With this increase in shipping business, India can expect to reach the sale of 8 to 10 MMTPA of bunker in a year.

Today, Singapore is the largest bunker supplying port on the international route running from Atlantic to South China via Suez Canal. On the other side, the Port of Rotterdam caters to the ships sailing on English Channel and Baltic Sea routes. The Port of Fujairah caters to the silk route connecting Middle East and India.
Major Ports located on the Middle East-India route, can be developed into bunkering hub for nearly 7000 cargo and non-cargo vessels including coastal vessels that ply on this route. These Major Port Trusts can be potential bunkering locations due to their proximity to the international sailing circuit. High traffic density, presence of bunker producing refineries, connectivity of despatch jetty/ storage tanks with the refineries through pipelines coupled with adequate draft for loading and unloading of all types of vessels can be added to the advantages.

The Port of Mumbai, on an average, supplies 3,00,000 MMT of bunker per annum to the vessels calling at the port, to the barges plying in the harbour area, fishing vessels, luxury yatches and ferry services from different locations at Hay Bunder, Pir Pau jetty, Mallet Bunder and fishing jetty. Its Hay Bunder facility is connected through the pipeline at IOCL Terminal. The Pir Pau jetty is close to the oil refinery and is equipped with bunker storage tanks. The fishing jetty has dispensing pumps installed by Oil Companies for supplying bunker to the fishing boats.

To develop infrastructure required for handling all types of bunker barges, Mumbai Port has identified one of its existing jetties on Jawahar Dweep. Creation of exclusive bunker facilities at this jetty with 11 meters draft, bunker storage tanks and supplies through pipeline direct from refineries at the jetty will make bunkering from Mumbai Port cost effective and viable. On 2nd December 2015, the port has signed an MoU with oil majors, HPCL and BPCL to initiate measures for reorganization of the jetty and storage tanks facilities at Jawahar Dweep at a cost of Rs.50 crores. The facility is scheduled to be fully commissioned by June 2017. Signing of MoU is the first important step in this direction that will eventually see emergence of Mumbai harbour as an important bunkering hub on international circuit.

The initiatives for development of Bunkering Hub can yield positive results if all the agencies involved in the bunkering process do their bit in a proactive manner. Bunkering is a credit business and the average credit time is one month. The bunker supplying companies need to provide appropriate credit options to its customers. Also, 24X7 Customs clearance with 365 days operation in day and night for bunkering of vessels at berth is another important issue that need consideration.

With all the agencies involved in the bunkering process doing their bit in a proactive manner, initiatives for development of Bunkering Hub at Mumbai Port will definitely yield positive results.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने मनाया नागरी सुरक्षा सप्ताह 2015

मो.रुफी. ए. कुरेशी,
नियंत्रक, नागरी सुरक्षा संगठन

नागरी सुरक्षा सप्ताह मनाने का मुंबई पोर्ट ट्रस्ट का अंदाज़ ही कुछ निराला है. तरह–तरह की माल सम्हलाई करने वाला एवं मुंबई शहर की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला मुंबई पोर्ट अपने सामाजिक दायित्व को भी बरकरार रखा है. जिसके परिणामस्वरुप हमेशा की तरह इस वर्ष भी मुंपोट्र ने दिनांक 6 दिसंबर 2015 से 13 दिसंबर 2015 तक की अवधि में नागरी सुरक्षा सप्ताह मनाया. जिसमें विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट नागरी सुरक्षा संघटन के पास अपना खुद का एक सुसज्जित नियंत्रण कक्ष है. जिसमें आग बुझाने के विविध उपस्करों के साथ साथ त्वरित संपर्क हेतु कुल 4 वॉकीटॉकी सेटस् है. इस कक्ष में एक हॉटलाईन भी है. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के लगभग 2000 कर्मचारी इसके सदस्य है, जो स्वयंसेवक के रुप में तैनात है. कठोर अनुशासन एवं किसी भी नैसर्गिक या मानवनिर्मित आपत्ति से सामना करने का प्रशिक्षण उन्हें प्राप्त है. वर्तमान में उन अपेक्षित आपदाओं को जैसे बाढ़, अतिरेकी हमला, तथा युध्दजन्य परिस्थिति में सेना, गृहरक्षक दल तथा अग्निशमन दल की मदत के लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट नागरी सुरक्षा संघटन के स्वयंसेवक हमेशा तत्पर रहते हैं.

मुंपोट्र द्वारा समय समय पर होनेवाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्हें इसका अभ्यास कराया जाता है. जिसमें प्रशिक्षक के रुप में मुंपोट्र के ही कर्मचारी कार्य करते है. उन प्रशिक्षकों को नागपूर स्थित नागरी सुरक्षा केंद्र से प्रशिक्षित किया गया है. संघटन में पुरुष प्लाटून के साथ एक महिला प्लाटून भी है. जो कंधे से कंधा मिलाकर अपने धैर्य एवं साहस का प्रदर्शन सप्ताह के आखिरी दिन होनेवाली प्रदर्शनी (Demo) में दिखाती हैं.

इस वर्ष प्रदर्शनी का आयोजन वडाला स्थित नाडकर्णीपार्क जूनी कॉलनी में किया गया. जिसमें मुंपोट्र नागरी सुरक्षा संघटन के साथ महाराष्ट्र शासन के नागरी सुरक्षा क्षेत्र 1 के जवानों ने सहभाग लिया. इस कार्यक्रम में समाज के विविध क्षेत्रों जैसे पोलीस, अग्निशमन, वैद्यकीय क्षेत्र के अधिकारी उपस्थित थे. मुंपोट्र के सचिव श्री. राजेंद्र पैबीर तथा उप सचिव श्री. गंगाधर ब्रम्हा इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया.

.....

पोतभारों की सम्हलाई में मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के बढते चरण

वि.रा. जोगळेकर,
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

इस वित्त वर्ष में भी मुंबई पोर्ट ने पोतभार की ज्यादा सम्हलाई करके अपनी प्रगति जारी रखी है. पिछले वित्त वर्ष की पहली छः माही की तुलना में इस वर्ष की पहली छः माही में 31.12 दशलक्ष मेट्रिक टनों के पोतभार की सम्हलाई की, जो इस वित्तीय वर्ष की पहली छःमाही का सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ वृध्दि है. इस प्रकार की सम्हलाई करके पोर्ट ने 4. 31% की वृध्दि दर्ज की है.

वर्ष 2015–16 की पहली छःमाही की कुछ निष्पादन विशेषताएँ निम्ननुसार है :

1. इंदिरा गोदी ने 4.21 दशलक्ष मेट्रिक टनों के पोतभार की सम्हलाई की है जो पिछले वर्ष की 3.68 दशलक्ष मेट्रिक टन यातायात की तुलना में 14.21% से अधिक होने से प्रगति की दिशा दर्शाता है.

2. उच्च मूल्य के लोह तथा इस्पात पोतभार की सम्हलाई करने में मुंबई पोर्ट हमेशा प्रथम रहा है तथा उसने 2.75 दशलक्ष मेट्रिक टन की सम्हलाई करके संगत अवधि की सम्हलाई से 47% अधिक की महत्वपूर्ण वृध्दि दर्ज करके अपना अग्रणी स्थान और मजबूत किया है.

3. इसी प्रकार ऑटोमोबाईल निर्यात में भी पश्चिमी किनारे पर स्थित पोर्ट में मुंपोट्र एक बडा सुविधा प्रदायक है, उसने 27% की वृध्दि दर्ज की है. इस अवधि में पिछले 55363 यूनिटों के मुकाबले 70272 ऑटोमोबाईल यूनिटों का निर्यात हुआ. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के जरिए कुल ॲटोमोबाईल आयात तथा 72440 युनिटों का निर्यात दर्ज किया गया जो पिछले वर्ष की संगत अवधि के 56274 यूनिटों से 29% अधिक है.

4. पीरपाव पोतघाट पर रसायन यातायात 1.83 दशलक्ष मेट्रिक टन रहा जो 11% से अधिक है.

5. यानांतरण पोतभार जिसकी शहर के रोड/रेलमार्ग पर असर डाले बिना जलमार्गों के जरिए निकासी की जाती है वह पिछले वर्ष के 4.71 दशलक्ष मेट्रिक टन के मुकाबले 5.20 दशलक्ष मेट्रिक टन रहा जो 10.53% से बढ गया है.

6. इसके अलावा मुंपोट्र ने तटवर्ती इलाकों में पोत परिवहन, रो पाक्स फेरी सेवाएँ चलाने तथा नये रो पाक्स टर्मिनल के निर्माण को प्रोत्साहन देने हेतु कदम उठाये हैं. जिसमें बीएनएचएल आदि के जरिए फ्लेमिंगो पक्षियों के प्रजनन स्थलों को सुरक्षित तथा संरक्षित रखा जायेगा.

.....

STATISTICS

Performance Highlights (upto December 2015)

	2014-15	2015-16
Ships handled (Total)	3294	3509
Cargo ships (Excl. Stream)	1145	1188
Cargo throughput (Million Tonners)	46.17	46.04
Container Traffic (Lakh TEUs)	0.35	32.51
Avg. Pre-berthing detention (Hrs)	7.57	8.64731
Avg. Turn-round time (Days)	3.09923	3.00796
Avg. Output per ship day (Tonnes)	7354.98	7650

Trade Characteristics

The main characteristics of the trade during 2015-16 (upto Dec. 2015) at the Port of Mumbai are 62.28 % POL & Liquid bulk cargo, 15.34 % Stream transhipment cargo and 22.38% break bulk and other dry cargo. Main trading items involved with their percentages are given in the chart below :

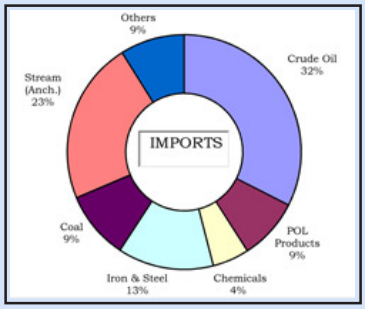

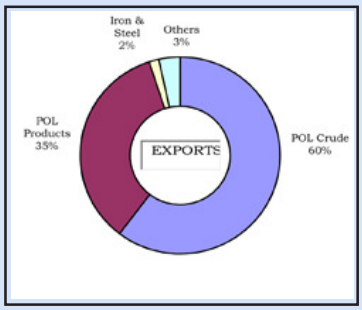

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट को फिर एक बार राजभाषा शील्ड

पोत परिवहन मंत्रालय अपने अधीनस्थ कार्यालयों/संगठनों में राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिये प्रोत्साहन योजना चलाता है. इसके अंतर्गत मुंबई पोर्ट ट्रस्ट पिछले 12 वर्षों से लगातार पुरस्कार प्राप्त करता आ रहा है. वर्ष 2012–13 के लिये पुनः एक बार मुंबई पोर्ट ट्रस्ट को राजभाषा शील्ड (तृतीय पुरस्कार) से नवाजा गया है. 06 जनवरी 2016 को नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष पुरस्कार समारोह में माननीय पोत परिवहन मंत्री श्री. नितीन गडकरी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये.

मंत्री महोदय से शील्ड ग्रहण करते हुए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री. रवि परमार.

Inaugration of Second Liquid Chemical Berth

Mumbai Port Trust commissioned its Second Liquid Chemical Berth at Pir Pau on January 13, 2016. The facility was inaugurated by the Union Minister of Shipping, Road Transport and Highways, Shri Nitin Gadkari.

The Second Chemical Berth is a modern state of art facility with 4 mooring dolphin, equipped with Quick Release Mooring Hooks (QRMHs), 2 breasting dolphin having cell fenders with frontal pad for smooth berthing of chemical tankers and a service platform with a provision of 7 Marine Loading Arms (MLAs) connected with 650 mtrs. long trestle having road way and pipelines. The berth is designed to handle 55000 DWT vessels carrying liquid bulk chemicals and POL products, which can be upgraded to 65000 DWT in future. The total project cost is 127 crores. The safety standards provided at this facility are conforming to the Oil Industry Safety Directorate (OISD) norms.

With full commissioning of this berth, the cargo handling capacity of the Port will increase by 2.5MMT per annum. However, this will not add to the burden of city's road/rail infrastructure as discharge of cargo from the ship to the storage will be through pipelines. Full commissioning of this berth will also result in substantial reduction of cost to the importers with faster turnaround of ships carrying bigger parcel size.

गतिविधियाँ

भारत पॅट्रोलियम कार्पोरेशन लिमि. के तत्वावधान में मुंबई पोर्ट ट्रस्ट अधिकारियों के साथ एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मॅच का आयोजन. (मुंबई पोर्ट ट्रस्ट अधिकारियों की विजेता टीम)

न्यु मॅंगलोर पोर्ट ट्रस्ट में संपन्न हुई मेजर पोर्ट टेबल टेनिस खेल प्रतियोगिता

द्वितीय विजेती टीम : श्री. पंकज कडू, श्री. सुनिल केलकर, श्री. संजय पाटणकर, श्री. जयंत रेडकर, श्री. प्रकाश शंभरकर, श्री.प्रमोद मालंडकर

45+ प्रतियोगिता : सिंगल - श्री. बाबाजी साठये, (रौप्य पदक), डबल - श्री. बाबाजी साठये और श्री. के.एच. वास्ता (रौप्य पदक)

50+ प्रतियोगिता : सिंगल - श्री. यशवंत भोईर (सुवर्ण पदक)

दिनांक 21 डिसेंबर 2015 रोजी दुपारी 2.10 वा. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट मुख्यालय पोर्ट भवन येथे अग्नी सुरक्षा संबंधी प्रात्यक्षिके (Mock Drills) करण्यात आली. या उपक्रमात मुंबई पोर्ट ट्रस्ट अग्नीशमन दल, वैद्यकिय विभाग, व नागरी सुरक्षा दल यांनी सहभाग घेतला होता.

सोशल मीडिया का जनमानस पर प्रभाव

श्री. ज्ञानेश्वर ह. वाडेकर, चिकित्सा विभाग

हिंदी सप्ताह 2015 के दौरान आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त निबंध –

एक लड़के को सस्ते माल की चाहत थी. उसे एक बार रास्ते में पड़ा हुआ एक चिराग मिला. चिराग देखकर वह बहुत खुश हुआ और उसे जोर–जोरसे रगड़ने लगा. रगड़ते ही चिराग का स्फोट हुआ और लड़का मर गया. वह चिराग अल्लाऊद्दीन का ना होते हुए मुजाहिद्दीन का होने के कारण ऐसा हुआ था. इसी तरह आज के सोशल मीडिया का हाल है. कभी यह अल्लाऊद्दीन का चिराग बनकर अच्छा कार्य करता है, तो कभी मुजाहिद्दीन का चिराग बनकर समाज पर विघातक हमला कर देता है.

राजनीतिक–सामाजिक विषयों पर चर्चा हो, या फिर दोस्तों–रिश्तेदारों से जुड़े रहने का जरिया, सोशल मीडिया आज हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गयी है. स्थानीय, आंतरराष्ट्रीय, खेल, विज्ञान, तंत्रज्ञान सभी क्षेत्रों को सोशल मीडिया अंतर्भूत कर लेती है. प्रिंट मिडिया और इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के साथ ट्विटर, फेसबुक, वॉटस्अप, ब्लॉग हमारा सारा जीवनमान काबीज कर चुके हैं. इन माध्यमों से जनमानस प्रभावित हो गया है.

सोशल मीडिया का जनमानस पर पड़नेवाला प्रभाव हमें दो अंगों से देखना होगा. हर शिक्के के दो पहलू होते हैं, वैसे ही यह प्रभाव दो तरह का है. उदाहरण लेना है तो मैगी का ले सकते हैं. मैगी को प्रसिध्द बनाया सोशल मीडिया ने. बस दो मिनट यह तो हर घर की माँ, बच्चों के लिए दैनंदिन जीवन का भाग बन चुका था. मैगी खाकर कोई बच्चा बीमार पडा इसका कोई प्रमाण नहीं, मगर हमें खाने के लिए उसका इस्तेमाल करना भी मीडिया ने सिखाया और उसका मिलावट भरा पहलू भी सोशल मीडिया ने ही दिखाया. मैगी के विरोध में इतना जनविरोध मीडिया ने निर्माण किया कि बाजार से कंपनी का नामोनिशान मिट गया. यह सोशल मीडिया का ही प्रभाव था.

सोशल मीडिया एक विषय लेकर अगर उसके पीछे पड गयी तो क्या होता है, इसका अच्छा उदाहरण है पोर्ट ट्रस्ट बंदरगाह में उतरनेवाले कोल पर लगायी गयी पाबंदी. सोशल मीडिया ने खाली प्रदूषण यह एक ही मुद्दा जोरों से लगाकर उसका प्रचार किया. लेकिन मुंबई बंदरगाह से कोल बंद होने कारण बिजली की कटौती, दर में वृध्दि, कोल की कमी इनका जनमानस में होनेवाला प्रभाव ये बाते सोशल मीडिया ने अनदेखी कर ली. इसका मतलब मीडिया जो चाहे वह बात बढा चढाकर प्रस्तुत करें और जनमानस को अपने गलत प्रभाव में डाल दें.

हालही में भारत के राष्ट्रपति मिसाईल मॅन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का निधन हुआ. उसी दरम्यान 1993 के बॉम्बस्फोट आरोपी याकूब मेनन को फाँसी पर चढाया गया. सोशल मीडिया के

लिए खाली याकूब मेनन ही प्रमुख विषय बनकर रह गया था और यह मीडिया डॉ. ए.पी.जे. कलाम का राष्ट्र के प्रति समर्पण भूल गया था.

फिलहाल शीना बोरा, इंद्राणी केस ने पूरा सोशल मीडिया व्याप्त किया है. कौन से नंबर के कौनसे पति की बेटी का किससे साथ संबंध, उसका खून, इन सब में महाराष्ट्र में नहीं बल्कि पूरे देश में कुछ राज्य छोडकर पडा. सूखा, फसल, धान्य की किल्लत, शेतकरी जो कर्जो में डूबा हुआ है, फसल बरबाद होने के कारण, चिंता में आत्महत्या कर रहा है इन सभी विषयों से सोशल मीडिया का ध्यान हट गया है. या ऐसा कहना होगा कि जान बुझकर सोशल मीडिया ऐसे विषयों को अनदेखा कर रहा है. पानी की कमी के बारे में भी सोशल मीडिया कुछ नहीं कर रहा है. चमक, दमक और टी.आर.पी. पर ही सोशल मीडिया का ध्यान है.

सोशल मीडिया ने पूरा जीवनमान अपने हाथों में ले लिया है. फेसबुक, वॉटस्एप में शेअर की जानेवाली तसबीरों के कारण वैयक्तिक संबंध धोखे में आने लगे हैं. इन तसबीरों का गलत इस्तेमाल होने की संभावना ज्यादा होती है, इससे सायबर क्राइम बढ गया है. पहले एक दूसरों को मिलकर बधाई, निमंत्रण देने वाले हम सालों मिल नहीं पाते, मगर वॉटस्एप, फेसबुक पर कॉन्टॅक्ट में रहते हैं. यह इस सोशल मीडिया का उपयुक्त अंग है. पुराने दोस्तों के ग्रुप वॉटस्एप पर, फेसबुक पर है. इससे हम एक दूसरों के साथ जुडे रहते हैं.

आज जो चीज हमें मालूम है, वह दूसरों को बताने में ही हम धन्य मानते हैं. खाने से पहले डिश का फोटो शेअर होता है. एक घर में रहकर बीबी, बच्चे, पति एक दूसरे को मेसेज भेजकर संपर्क करते हैं. इसको सोशल मीडिया का कौनसा प्रभाव कहेंगे? आपस के नाते, संबंध, प्रेम, लगाव इन सब बातों को सोशल मीडिया के कारण मुक्ति ही मिल गयी है.

इसका अच्छा और बुरा दोनें प्रभाव ध्यान में लेते हुए सोशल मीडिया का इस्तेमाल हमें करना है. हम इससे दूर तो नहीं रह सकते, मगर इसके अधीन भी नहीं होना है. जिस छुरी से सर्जन शस्त्रक्रिया करता है, उसी छुरी से कोई दूसरे का कत्ल भी कर सकता है. यही चीज आज सोशल मीडिया के लिए हम कह सकते हैं. दुहरा इस्तेमाल कर सके ऐसी यह छुरी हमें बहुत संभलकर इस्तेमाल करनी है, और हमारा जीवनमान समृध्द, सुखी, सुरक्षित करना है. सोशल मीडिया के राक्षस का हमें अपने काम के लिए इस्तेमाल करना होगा, ताकि उसको हम पर हावी नहीं होने देना है. अणुबॉम्ब की ऊर्जा का उपयोग हम विघातक और उपयुक्त दोनों तरह से कर सकते हैं. उसी तरह हमें सोशल मीडिया का उपयोग करके जीवनमान सुखी करना है.

अपना पोर्ट के इस ई वर्जन को मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के वेबसाईट पर पढ़ा जा सकता है. निवेदन है कि इस अंक के बारें में अपने सुझाव/प्रतिक्रिया अवश्य दें तथा पत्रिका में प्रकाशन हेतु अपनी कविता, कहानी, लेख, कार्यालयीन गतिविधियाँ या अन्य जानकारी निम्न ई मेल पर भेजें. या हिंदी कक्ष से संपर्क करें.
hindicell@mbptmail.com